No. of Printed Pages : 4

MES-051

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2015

01642

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *questions are* ***compulsory.***

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   Critically examine the relevance of educational ideas of Sri Aurobindo in the present educational scenario.

   OR

   What do you mean by the term 'Cultural Lag' ? Discuss the role of education in minimizing cultural lag.

2. Answer the following question in about **600** words :

   "Education is the only tool that can lead to sustainable development in our country". Justify the statement in the light of existing socio-economic circumstances.

   OR

"Philosophy unlike other subjects of study has no content of its own". In the light of this statement, explain the functions of philosophy.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

   (a) Explain the nature of knowledge in view of rationalism.

   (b) Describe aims of education according to Buddhism.

   (c) Explain logical positivist view of philosophy.

   (d) Discuss the role of education in social mobility.

   (e) How did John Dewey consider 'School' as a 'miniature society' ?

   (f) Explain Marxist perspective on social stratification.

4. Answer the following in about **600** words :

   Discuss major issues related to access and equity in school education sector in India. Mention some suggestions to improve access and equity at school stage.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) ***सभी प्रश्नों की भारिता समान है।***

---

1. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

वर्तमान शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में श्री अरबिंदो के शैक्षिक विचारों के औचित्य का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

अथवा

कल्चरल लैग (सांस्कृतिक पश्चता या विलंब) शब्द से आपका अभिप्राय क्या है? कल्चरल लैग को कम करने में शिक्षा की भूमिका की विवेचना करें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

"शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो भारत को अविच्छिन्न (सतत्) विकास की ओर ले जाता है"। वर्तमान सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के अंतर्गत इस कथन का औचित्य सिद्ध करें।

अथवा

''अध्ययन के अन्य विषयों से भिन्न दर्शन की अपनी कोई विषय वस्तु नहीं होती''। इस कथन के प्रकाश में दर्शन के कार्यों की व्याख्या करें।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों में हो।

(a) तर्कनावाद के अनुसार ज्ञान की प्रकृति की व्याख्या करें।

(b) बौद्ध दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों का वर्णन करें।

(c) दर्शन की प्रत्यक्षवादी विचारधारा की व्याख्या करें।

(d) सामाजिक गतिशीलता में शिक्षा की भूमिका का वर्णन करें।

(e) जॉन डिवि के अनुसार विद्यालय को एक 'लघु समाज' की संज्ञा क्यों दी जा सकती है?

(f) सामाजिक स्तरीकरण पर मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की व्याख्या करें।

4. निम्नलिखित का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

भारत में विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में सुगम्यता तथा निष्पक्षता से संबंधित मुख्य मुद्दों की विवेचना करें। विद्यालय स्तर पर सुगम्यता तथा निष्पक्षता में सुधार लाने के लिए कुछ सुझाव दें।